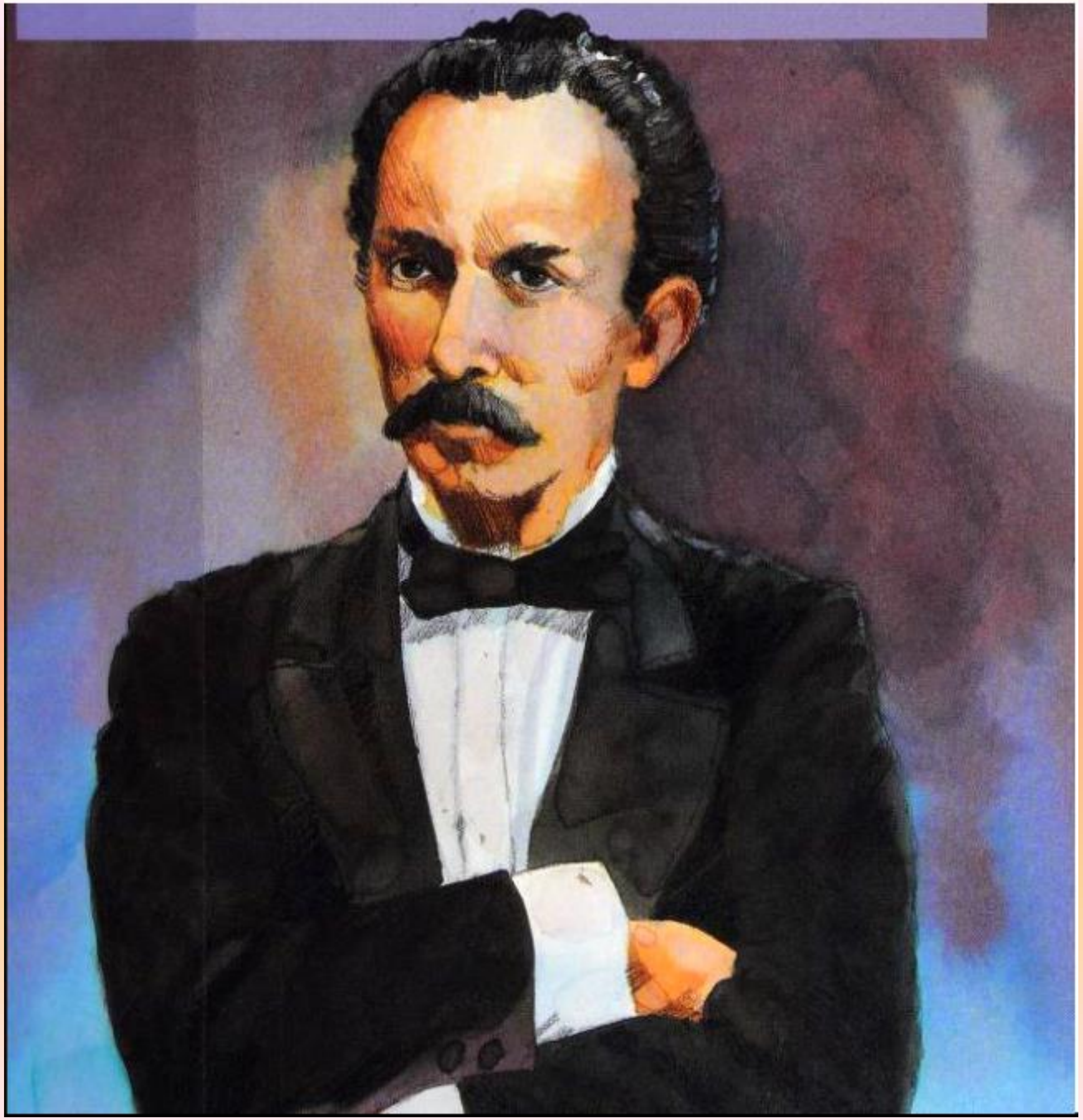
जोस मार्टी

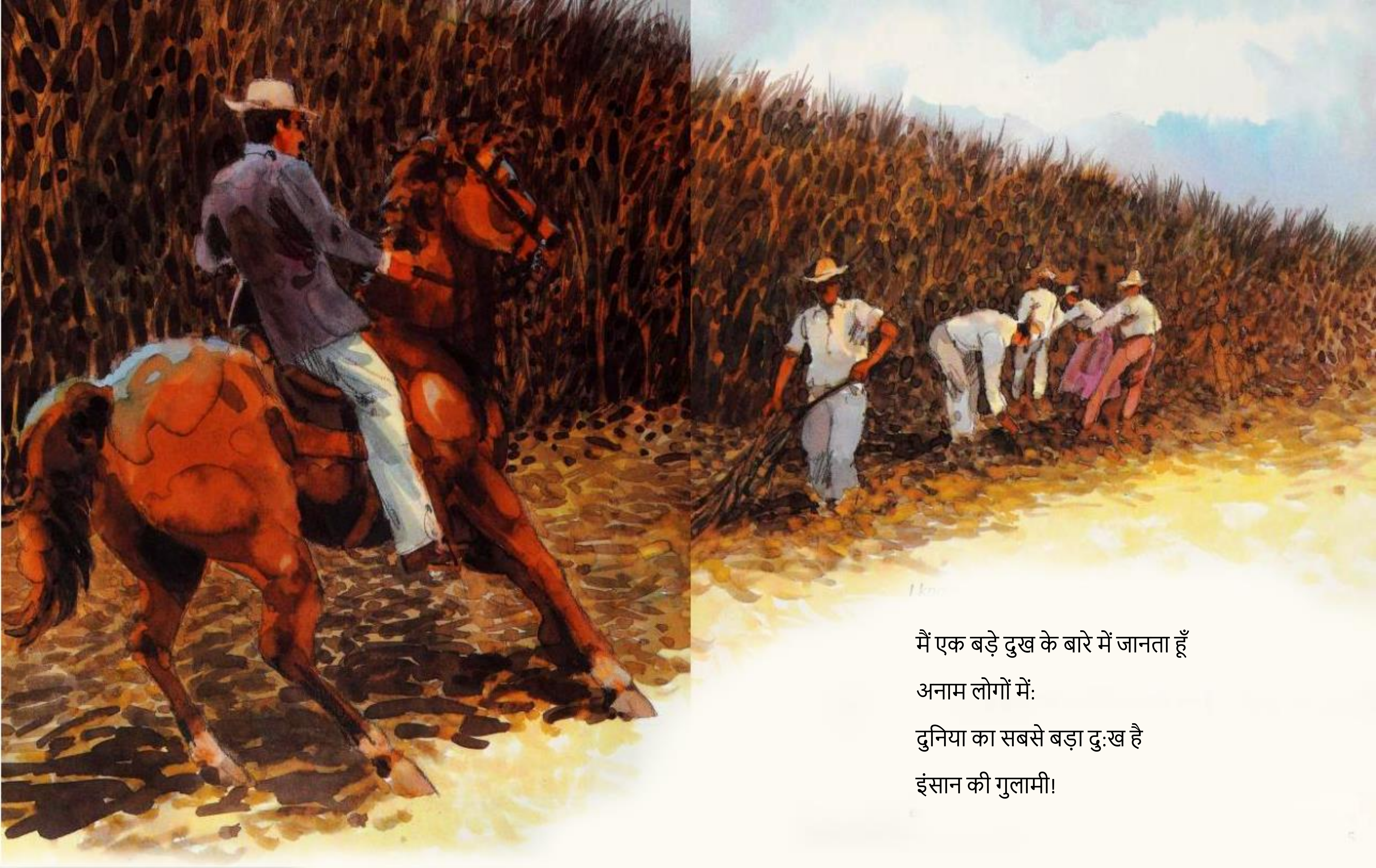
जन ग्लीटर और कैथलीन थॉम्पसन





जोस मार्टी

जन ग्लीटर और
कैथलीन थॉम्पसन



मैं एक बड़े दुख के बारे में जानता हूँ

अनाम लोगों में:

दुनिया का सबसे बड़ा दु:ख है

इंसान की गुलामी!



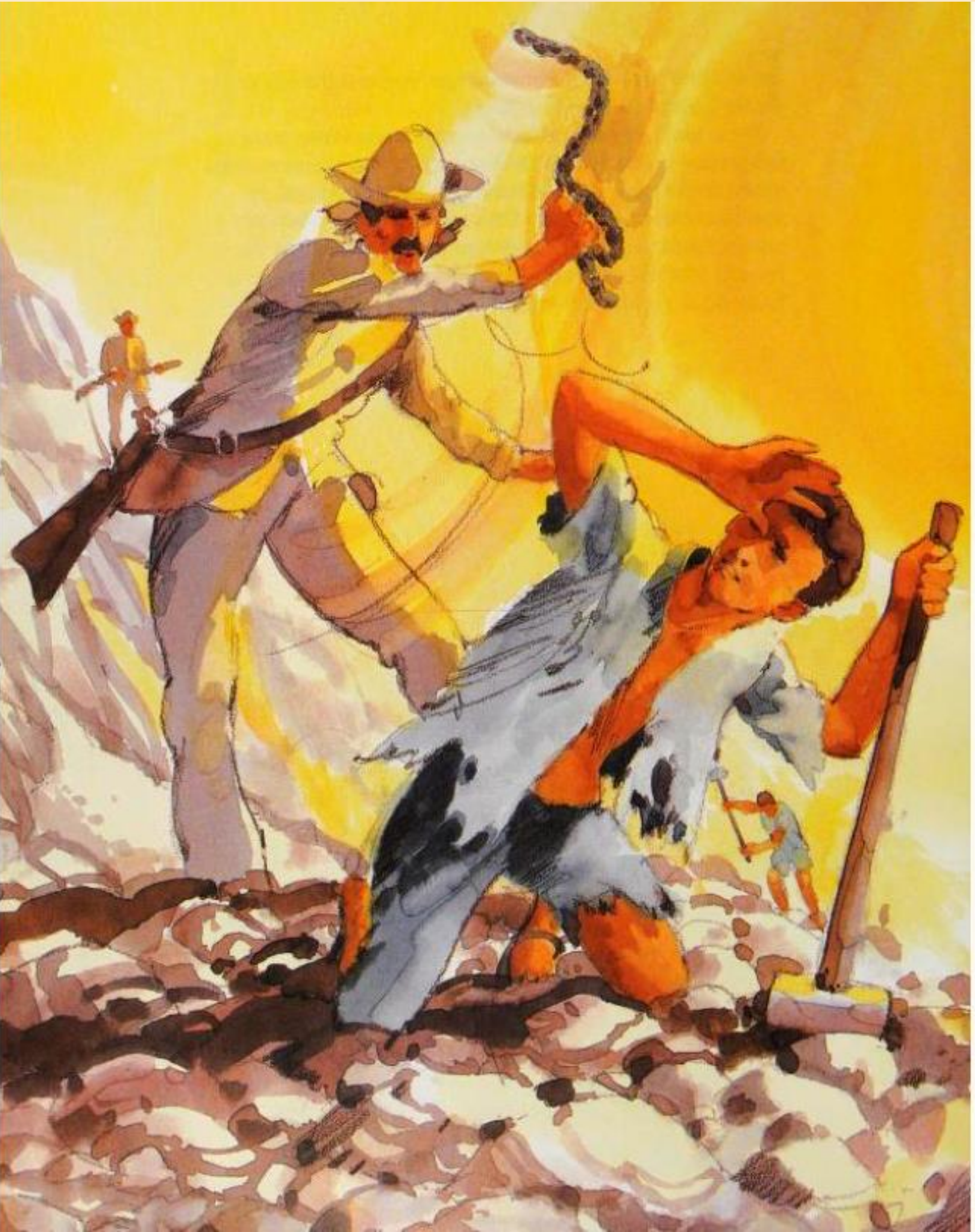
जोस मार्टी का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका में गृह युद्ध से लगभग दस साल पहले, 1853 में क्यूबा में हुआ था। उसे लोग पेपे कहते थे, और उसका परिवार गरीब था। यह असामान्य नहीं था, क्योंकि क्यूबा में बहुत से लोग गरीब थे। पेपे के माता-पिता बेहतर जीवन की तलाश में स्पेन से क्यूबा आए थे। पर वहां उन्हें कोई काम नहीं मिला। यह भी असामान्य नहीं था।



जोस के गॉडफादर ने उसे स्कूल भेजने के लिए पैसे दिए। जब पेपे तेरह वर्ष के थे, तब उन्होंने कोलेजियो डी सैन पाब्लो में प्रवेश किया। स्कूल के निदेशक एक कवि और पत्रकार थे जो एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए समर्पित थे। उसका नाम राफेल मारिया डी मेंडिव था। वो पेपे के शिक्षक थे। फिर एक दिन, स्पेनिश अधिकारी आए - जो उस समय क्यूबा पर शासन करते थे और मेंडिव को जेल में ले गए। उनके अनुसार मेंडिव एक राजनीतिक रैली में शामिल हुए थे। उस समय क्यूबा में वो एक अपराध था। पेपे जेल में मेंडिव से मिलने गए और वो उस अनुभव को कभी नहीं भूले।

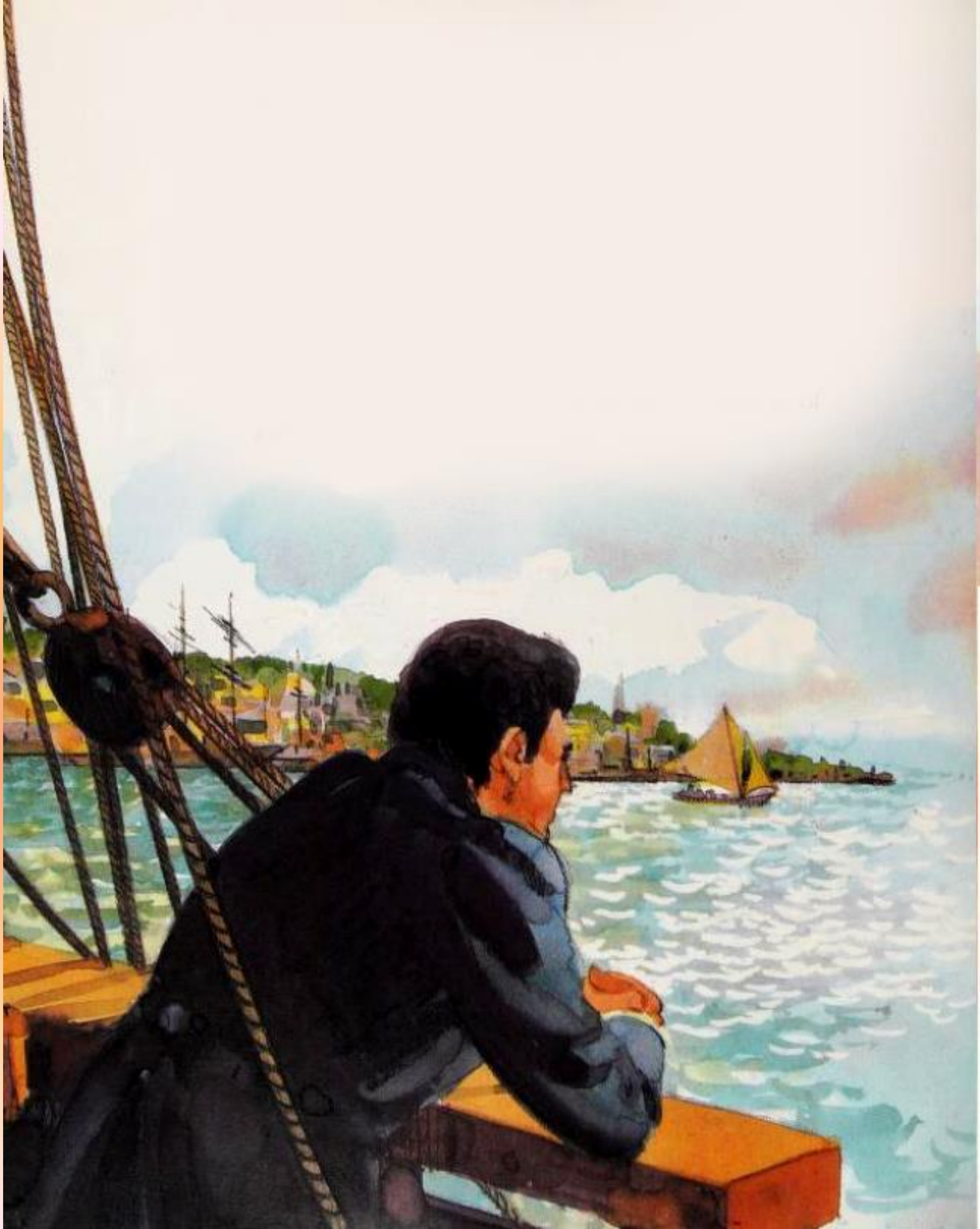
1868 में, क्यूबा में एक क्रांति छिड़ गई। इसे दस वर्षीय युद्ध कहा जाता है। तब पेपे केवल पंद्रह वर्ष के थे, और वो स्वतंत्रता की लड़ाई में शामिल होने के लिए बहुत छोटे थे। लेकिन उन्होंने क्रांति की महिमा के बारे में एक लंबी कविता लिखी, जो एक क्रांतिकारी अखबार में प्रकाशित हुई। फिर स्पैनिश अधिकारियों को एक पत्र मिला जो पेपे और उनके सबसे अच्छे दोस्त फर्मिन वाल्डेस ने लिखा था, जिसमें उन्होंने दिखाया था कि वे क्रांति के पक्ष में थे। उसके बाद पेपे और फर्मिन को गिरफ्तार कर लिया गया।

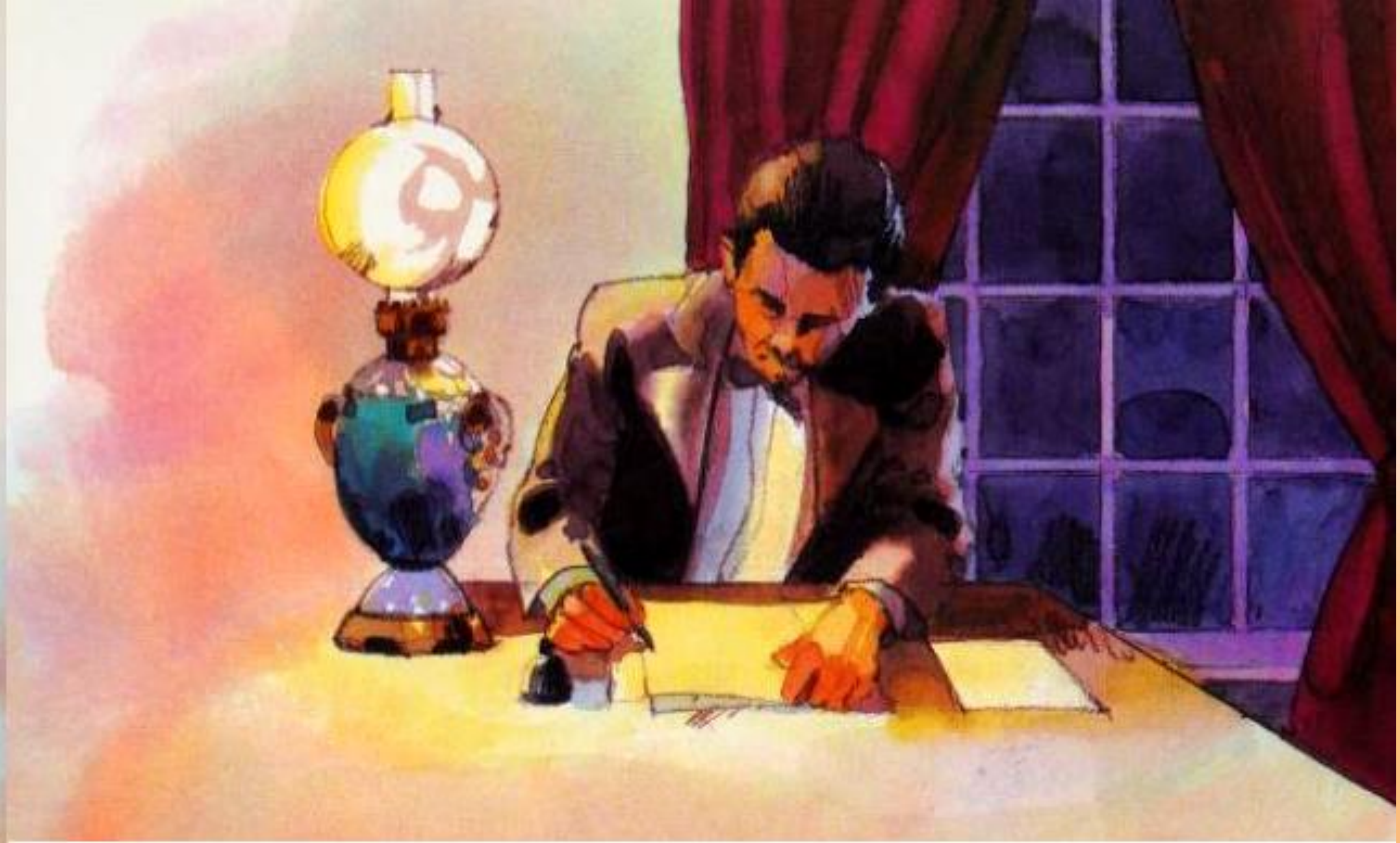




मुकदमा से पहले दोनों लड़कों ने हवाना जेल में साढ़े चार महीने बिताए। तब फर्मिन को छह महीने जेल की सजा सुनाई गई। पेपे को कड़ी मेहनत के लिए छह साल की सजा सुनाई गई। उसे सरकारी खदानों में पत्थर तोड़ने जाना पड़ा।

सोलह साल की उम्र में, पेपे ने छह महीने चिलचिलाती धूप में ऐसे काम किए जिससे कोई भी मजबूत आदमी टूट जाता। चूँकि उसके पिता के कुछ मित्र सेना में थे, इसलिए पेपे को एक नियमित जेल में ले जाया गया। लेकिन वो पहले ही आधा अंधा हो चुका था। और उसे एक ऐसी चोट लगी थी जिससे वह जीवन भर परेशान रहा। वो चोट उसे तब लगी जब एक गार्ड ने उसे लोहे की जंजीर से मारा।





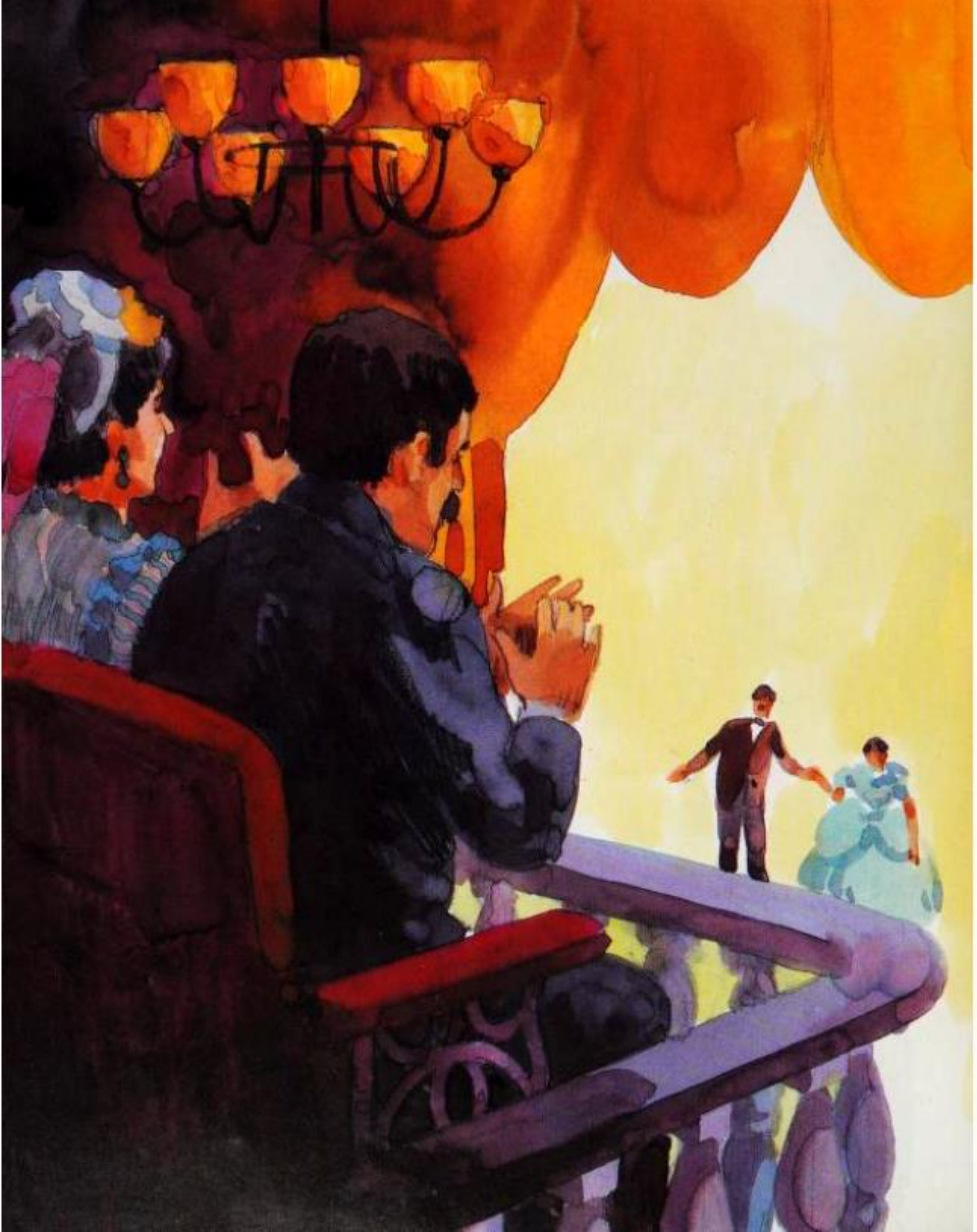
1871 में, स्पेनियों ने पेपे को जेल से रिहा कर दिया। लेकिन उन्होंने उसे स्पेन भेज दिया। अठारह वर्ष की उम्र में पेपे ने अपने परिवार और अपने प्यारे देश को छोड़ दिया। बाद में वो क्यूबा की आजादी के लिए लड़ने और मरने के लिए दो बार फिर क्यूबा वापिस आए।

स्पेन में, वह स्कूल गए। वहां पेपे ने हाई स्कूल डिप्लोमा और कानून की डिग्री हासिल की। उन्होंने लिखना भी जारी रखा। उन्होंने जो पहला लेख लिखा वो क्यूबा में राजनीतिक कैदियों साथ दुर्व्यवहार के बारे में था. वो लेख गुस्से से भरा था। लेख ने स्पष्ट रूप से दिखाया कि मार्टी जानते थे कि वो किस बारे में लिख रहे थे । उससे यह भी पता चलता था कि मार्टी में एक महान लेखक के गुण थे।

लंबे समय तक, मार्टी को यह उम्मीद थी कि अगर स्पेन एक गणतंत्र बन जाता है, तो फिर वो क्यूबा के साथ अच्छा व्यवहार करेगा। उस स्थिति में, शायद क्यूबा को स्पेन से पूरी तरह स्वतंत्र होने की आवश्यकता नहीं होगी।

फिर, 27 नवंबर, 1871 को, क्यूबा में मेडिकल छात्रों के एक बड़े समूह को बंदी बना लिया गया। सरकार के अनुसार, वे एक स्पेनिश समर्थक अखबार के संपादक की कब्र का अनादर कर रहे थे। आठ छात्रों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। तीस अन्य को कड़ी सजा सुनाई गई। उसके बाद से मार्टी ने स्पेन के साथ क्यूबा के शांतिपूर्वक रहने की सारी उम्मीदें छोड़ दीं। अब क्यूबा को स्पेन से मुक्त होना ही होगा।



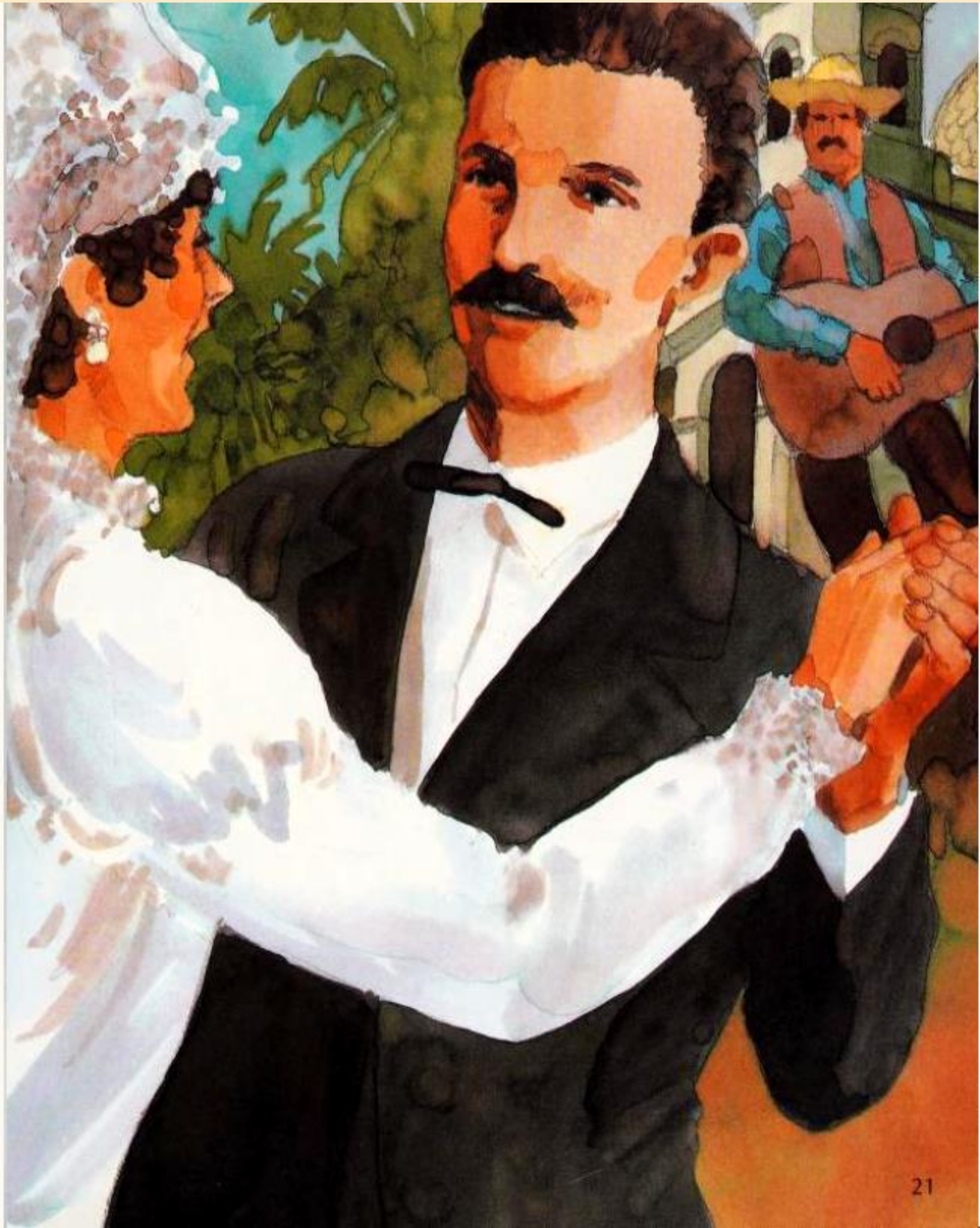


1875 में, जब मार्टी बाईस वर्ष के थे, तब उन्हें स्पेन छोड़ने की अनुमति दी गई। लेकिन फिर भी उन्हें क्यूबा वापस जाने की अनुमति नहीं मिली। इसलिए, वो मेक्सिको चले गए। वहां, वो अपने परिवार के साथ रह सकते थे और साथ में अपने देश के भी करीब हो सकते थे।

मेक्सिको में, मार्टी एक वक्ता और एक पत्रकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। उन्होंने एक सफल नाटक लिखा जो मेक्सिको सिटी में प्रदर्शित किया गया। फिर मार्टी एक प्रसिद्ध साहित्यिक समूह का हिस्सा बन गए। मार्टी ने क्यूबा की एक महिला कारमेन ज़ायस बाज़न से मुलाकात हुए और जल्द ही उनकी सगाई हो गई।

1877 में, मार्टी क्यूबा लौट आए। उसके लिए उन्होंने झूठे नाम का इस्तेमाल किया और पुलिस द्वारा पहचाने बिना एक महीने तक रहने में सक्षम रहे। लेकिन वो वहां काम नहीं कर सके। उन्होंने जल्द ही समझा कि वो क्यूबा छोड़ने पर अपने देश के लिए और अधिक कर सकते थे। इस बार वो ग्वाटेमाला गए। वहां वो इतिहास और साहित्य के प्रोफेसर बन गए। उन्होंने एक साहित्यिक पत्रिका शुरु करने में मदद की और एक और नाटक लिखा। उन्होंने एक प्रसिद्ध कविता "ला नीना डे ग्वाटेमाला" भी लिखी।

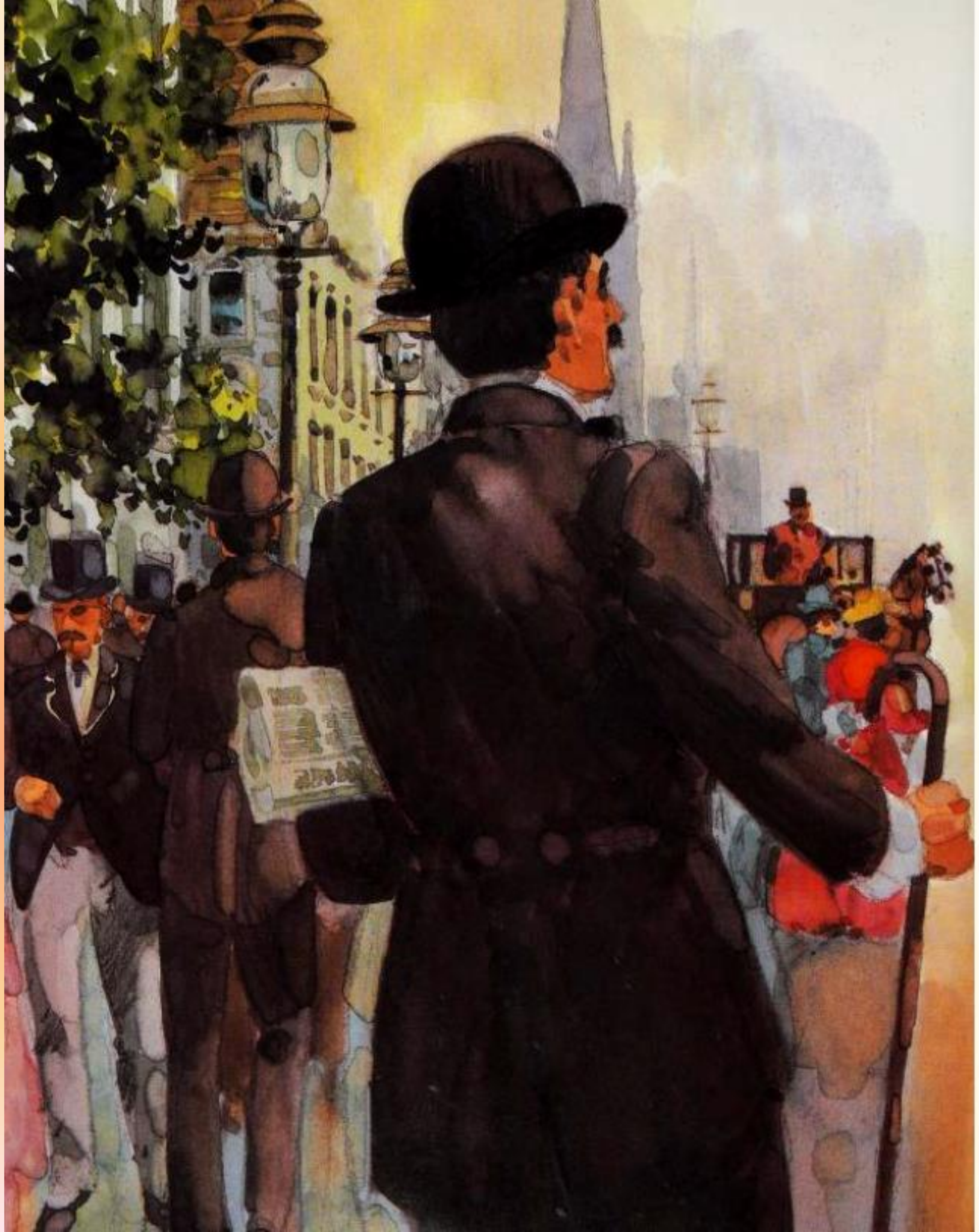
फिर मार्टी मैक्सिको लौट आए, और दिसंबर 1877 में उनकी और कारमेन की शादी हुई।





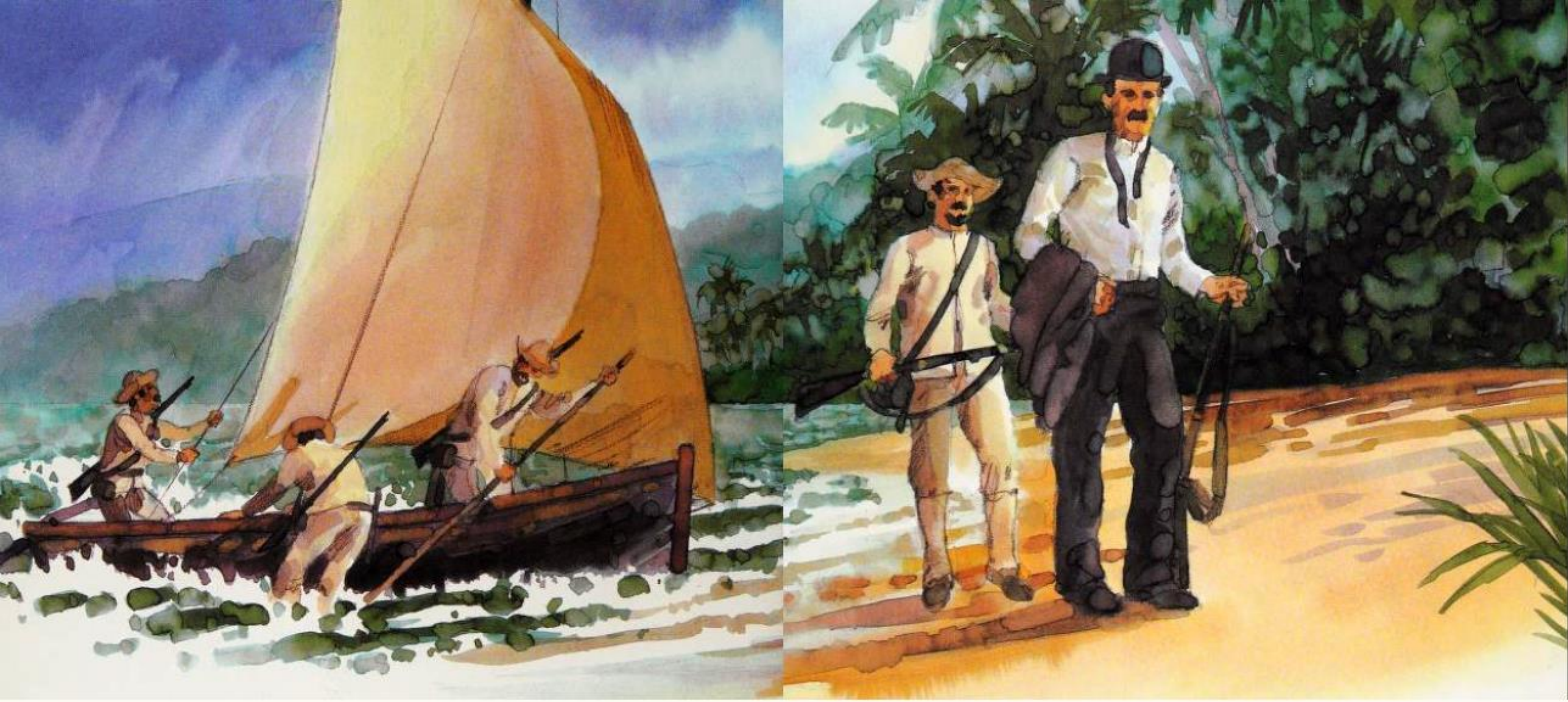
क्यूबा की स्वतंत्रता के लिए दस साल का युद्ध 1878 में समाप्त हुआ, और जोस और कारमेन मार्टी क्यूबा चले गए। लेकिन मार्टी ने बहुत जल्दी महसूस किया कि युद्ध को समाप्त करने के लिए स्पेनियों ने जो वादे किए थे, वे सभी को तोड़ रहे थे। फिर उन्होंने अपनी आवाज़ बुलंद की। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा कि क्यूबा को स्वतंत्र होना चाहिए। स्पैनिश गवर्नर ने कहा कि उस अपराध के लिए मार्टी को गिरफ्तार किया जाएगा और उन पर मुकदमा चलाया जाएगा, जब तक वो समाचार पत्रों में यह घोषणा नहीं करते कि वो स्पेन का समर्थन करते हैं।

जोस मार्टी ने कहा, "जनरल से कहो कि मार्टी उस तरह का आदमी नहीं है जिसे खरीदा जा सके।" इसके बाद मार्टी को स्पेन भेज दिया गया।



मार्टी अकेले स्पेन गए। उनकी पत्नी अपने बच्चे के साथ क्यूबा में ही रहीं। अफसोस की बात है कि मार्टी की शादी ज़्यादा समय नहीं टिकी। कारमेन एक सुरक्षित, शांत जीवन चाहती थीं और अगर मार्टी स्पेन के खिलाफ बोलना जारी रखते तो वो संभव नहीं होता।

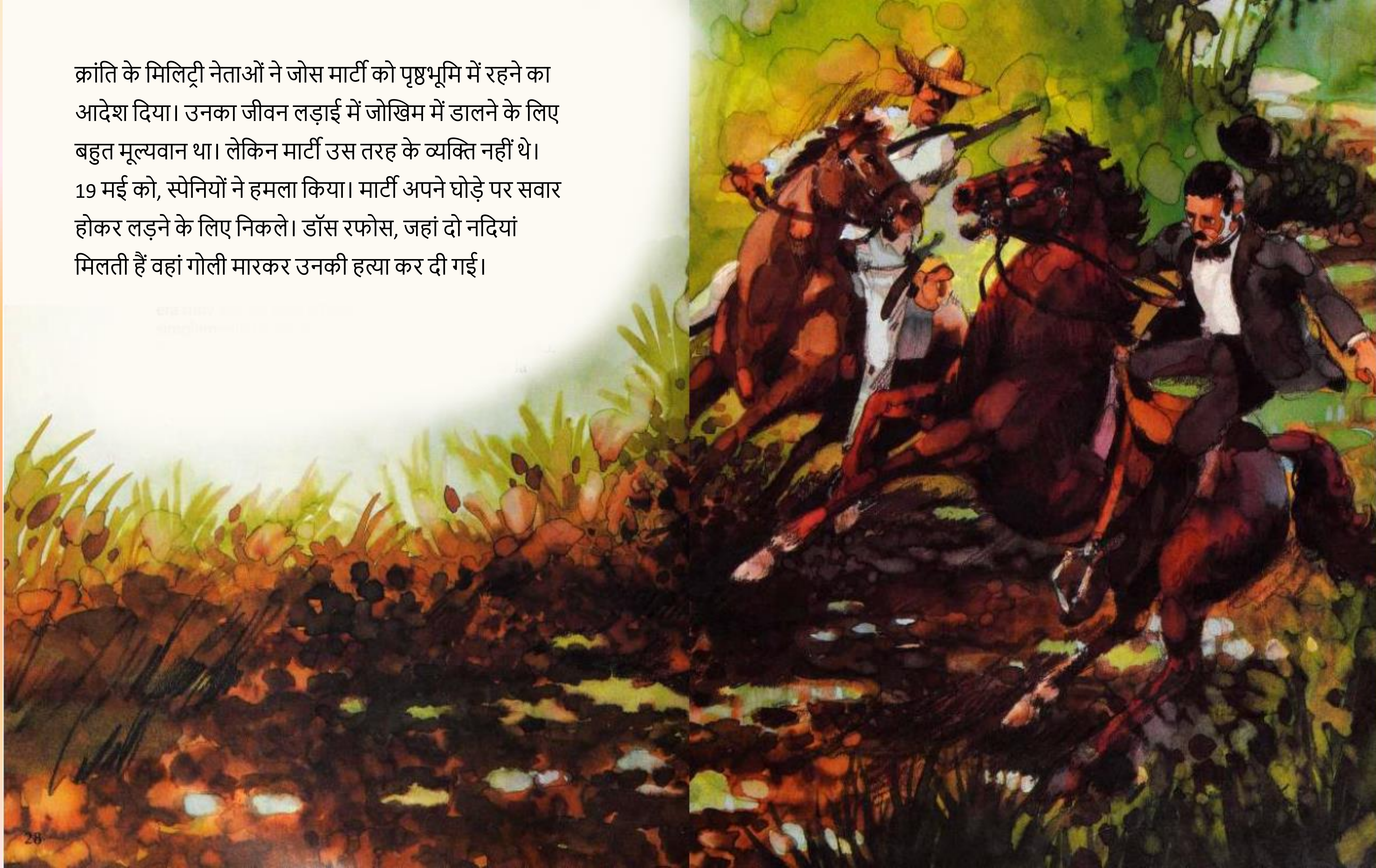
मार्टी को स्पेन से भागने में ज्यादा समय नहीं लगा। वे न्यूयॉर्क शहर गए, और मध्य और दक्षिण अमेरिका की कुछ छोटी यात्राओं को छोड़कर, वे अगले चौदह वर्षों तक वहीं रहे। हालाँकि वे अपनी सुंदर कविताएँ लिखते रहे, लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश समय क्यूबा में एक और क्रांति आयोजित करने में बिताया।

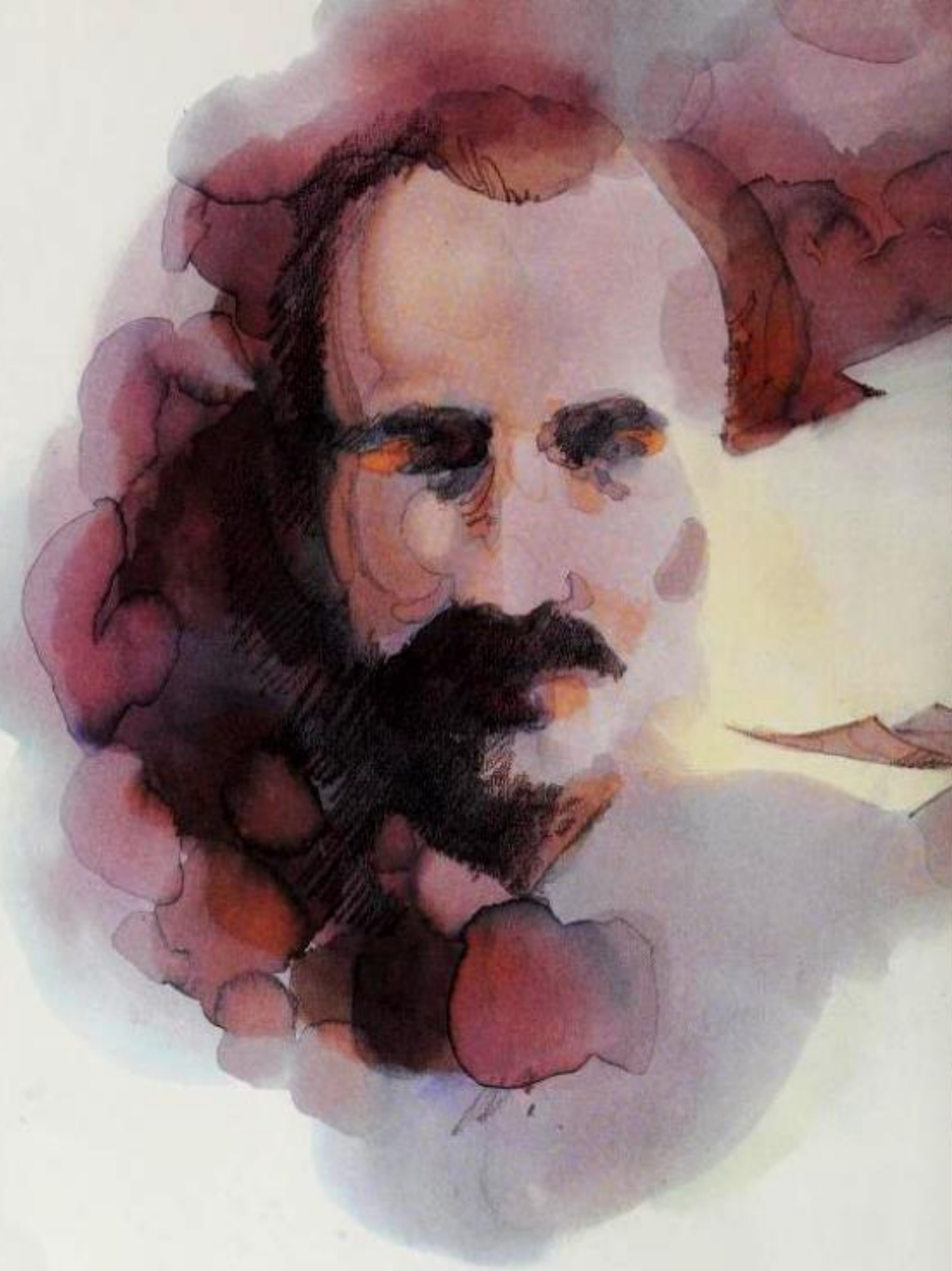


क्रांति 24 फरवरी, 1895 को शुरू हुई। 1 अप्रैल को मार्टी सेंटो डोमिंगो से क्यूबा के लिए रवाना हुए। उन्हें क्यूबा रिवोल्यूशनरी पार्टी का प्रतिनिधि नामित किया गया, जिसकी उन्होंने स्थापना की थी। उन्होंने राष्ट्रपति पद स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इस स्वतंत्रता को प्राप्त करने में उन्होंने अपने पूरे जीवन भर काम किया था।

11 अप्रैल को, मार्टी पलाइटस समुद्र तट पर उतरे।

क्रांति के मिलिट्री नेताओं ने जोस मार्टी को पृष्ठभूमि में रहने का आदेश दिया। उनका जीवन लड़ाई में जोखिम में डालने के लिए बहुत मूल्यवान था। लेकिन मार्टी उस तरह के व्यक्ति नहीं थे। 19 मई को, स्पेनियों ने हमला किया। मार्टी अपने घोड़े पर सवार होकर लड़ने के लिए निकले। डॉस रफोस, जहां दो नदियां मिलती हैं वहां गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई।







इसलिए जोस मार्टी की मृत्यु के बाद भी, क्यूबा, स्पेन से मुक्त रहा। उनकी याद तब तक रहेगी जब तक क्यूबा से प्यार करने वाले लोग रहेंगे। और उनकी कवितायेँ हमेशा अमर रहेगी।

मेरी कविताएं बहादुरों को खुश करेंगी;
वे ईमानदार और संक्षिप्त हैं,
मेरी कविता स्टील जैसी मजबूत हैं
जिनसे तलवार बनाई जा सकती है!